मन की बात मोदी जी के साथ

मन की बात मोदी जी के साथ।

दिल्ली में हार के कारण

महांगाई

मोदी सरकार की कमियां

क्षेत्र में विकास क्यों नहीं होता

मोदी जी से कुछ सवाल

रेल मंत्री किन–किन क्षेत्रों में ध्यान दें

कैसे पढ़ेंगी बेटियाँ

भ्रष्टाचार पर लगाम कैसे लगे– (सुझाव)

भ्रष्टाचार व घोटाले के प्रकार

देश को समृद्ध कैसे बनायें

प्रत्येक देशवासी से विनम्र निवेदन

भ्रष्टाचार और घोटालों का सबसे बड़ा कारण

मंत्रियो के लिए शैक्षिक योग्यता

Vikas Kaushik - +91-9818583509 I Mail : vikasastro@gmail.com

मन की बात मोदी जी के साथ

11–02/2015 – 15–03–2015

आदरणीय **मोदी जी** को सादर प्रणाम !

मेरा नाम विकास कौशिक है, मैं भा.ज.पा. का मेम्बर हूँ। मेरा मेम्बरशिप नं.–1000403824 दिनांक 01/11/2014 है।

दिल्ली की राजनीति में जो हुआ उसे देखकर मुझे ही नहीं करोड़ों देशवासियों को बहुत दुःख हुआ। कईं घरों में भोजन तक नहीं बना। मैं ट्रेन से गाजियाबाद से नई दिल्ली करोल बाग में भारतवासियों की सेवा करने आता हूँ और वापस ट्रेन से जाता हूँ। जब मैं रेल से वापस गाजियाबाद जा रहा था तो सभी के चेहरे उतरे हुए थे। सभी लोग बहुत दुःखी थे, कोई किसी से बात नहीं कर रहा था। इतना सन्नाटा ट्रेन में मैनें पहले नहीं देखा। देश के प्रत्येक हिस्से से फोन आ रहे थे कि सर ये क्या करवा दिया। मेरे पास कोई जवाब नहीं था।

जब मैं घर पहुँचा तो मेरे घर पर भी उदासी का माहौल था, कोई किसी से कुछ नहीं कह पा रहा था। रास्ते में जो भी मिला, सबका एक ही सवाल था कि ये क्या करवा दिया आपने? ये नहीं होना चाहिए था।

कहां गये वो भा.ज.पा. के जुझारू कार्यकर्ता जो गली–गली, शहर–शहर प्रचार करते फिरते थे। कहां गया वो मोदी जी का चमकता, दमकता जोशीला चेहरा, कहां गयी वो शेर जैसी आवाज, कहां गये वो नारे मोदी...मोदी....मोदी....मोदी, जो मोदी जी को देखते ही लगने लगते थे। मोदी जी कम बोलते, भीड़ मोदी....मोदी.... ज्यादा बोलती थी। कहां गया वो जनसैलाब जो मोदी जी के भाषणों में आया करता था।

क्यों हुआ ये सब, कैसे हुआ ये सब, इतने कम समय में कहां खो गया वो व्यक्तित्व जो इतना बड़ा जनाधार लेकर आया था।

Vikas Kaushik - +91-9818583509 I Mail : vikasastro@gmail.com

मन की बात मोदी जी के साथ

जितना मुझे लोगों से बात करके पता चला जितनी बुद्धि मेरे अन्दर है, उसके अनुसार दिल्ली की जनता ने मोदी जी को वोट इसलिए नहीं दिया क्योंकि लोकसभा में जिन 7 सांसदों को जनता ने एक्जाम में पास करके भेजा था उन्होनें दिल्ली की जनता का एक बार भी हाल नहीं पूछा। पूरे देश की जनता ने मोदी को वोट दिया। मोदी की साफ सुथरी छवि को वोट दिया। जनता ने मोदी को वोट दिया क्योंकि वह कठोर फैसले लेते है।

जब मोदी जी मेहनती हैं तो उसके सिपाही भी मेहनती होंगे। लेकिन आपके सात सिपाहियों ने आपकी छवि को खराब किया, जिस वजह से मोदी सरकार को ये दिन देखना पड़ा **दिल्ली में हार के रूप में** । आज लोग भा.ज.पा. को नहीं जानते वो सिर्फ मोदी सरकार को जानते हैं। क्योंकि आपका नारा था इस बार मोदी सरकार, अच्छे दिन आयेंगे।

आपके 7 सिपाही जो जनता के एक्जाम में पास होकर गये थे उन्होनें एक बार भी अपने चुनाव क्षेत्र की गरीब जनता से मिलकर नहीं देखा। जब सिपाही अपने क्षेत्र में दौरा नहीं करेगा तब कोई ना कोई क्षेत्र में लूट करेगा ही, जो दिल्ली में हुआ।

यदि आपके सातों सांसद अपने–अपने क्षेत्रों में जाते वहां की जनता से मिलते, उनकी परेशानियां सुनते और उन्हें दूर करते तब ये नौबत नहीं आती जो आज आयी है।

आपने झाड़ू लगाकर सफाई अभियान की शुरूआत की, क्या आपके सांसदों ने अपने–अपने क्षेत्रों में झाड़ू लगाकर सफाई करने के लिए लोगों को प्रेरित किया? आपके सांसदों को भी पता है और कार्यकर्त्ताओं को भी पता है कि गंदगी कहां है और क्षेत्रवासियों की समस्यायें क्या हैं। लेकिन किसी ने भी जनता की सुध नहीं ली। इसीलिए आज जनता ने मोदी सरकार की सुध नहीं ली। जनता के मन में बड़ा विश्वास था कि अब पहले जैसा नहीं रहेगा। लेकिन जो पिछली सरकारों ने किया वो ही आपके सांसदों ने किया, उन्हें कोई फर्क नहीं दिखा कांग्रेस के सांसदों में और भा.ज.पा. के सांसदों में भी।

जनता कहती है कि सब एक जैसे हैं। इसीलिए जनता कुछ नया खोजने निकल पड़ती है। जनता मोदी सरकार को भुलाकर AAP ले आती है।

Vikas Kaushik - +91-9818583509 I Mail : vikasastro@gmail.com

मन की बात मोदी जी के साथ

आपके सांसदों ने गरीब की कोई चिंता नहीं की तथा वे किसी से मिलने नहीं गये। जब जनता के बीच आप जाओंगे नहीं तब जनता आपको कैसे याद रखेगी?

AAP के कार्यकर्त्ता लोकसभा चुनाव के बाद से ही अपने कार्य में जुट गये थे। चुनाव प्रचार के दौरान वो सिर्फ गरीब लोगों से ही मिलते थे।

10–10, 20–20 की टोलियां दिन में कम से कम 20–25 बार एक ही जगह से गुजरती और रात में भी वो लोगों से मिलते। लेकिन मोदी सरकार का एक भी कार्यकर्ता ना अमीर जनता के बीच गया ना ही गरीब जनता के बीच गया, मोदी जी की रैलियों के अलावा।

दिल्ली में हार के कारण –

1. जनता के संपर्क में न रहना और जनता के हितों के लिए काम न करना पार्टी की हार कार कारण बना।
2. बाहर से आये लोगों को टिकिट देना
3. पहले से कैंडिडेट की घोषणा न होना
4. पार्टी के अन्दर एक विचारधारा का ना होना।
5. जनता को अन्तिम समय तक पार्टी का नेता (सी.एम.) का नाम मालूम ना होना। जब जनता को मालूम ही नहीं है तब जनता भरोसा कैसे करें? जब कार्यकर्ता को ये मालूम नहीं है कि सी.एम. कौन है तब वो लोगों के बीच जाकर मेहनत कैसे करें ?

महांगाई –

30–35रू. किलो आलू

35 रू. किलो चीनी

100 रू. किलो दालें

40 रू. किलो चावल

30 रू. किलो आटा

48 रू. किलो रू. दूध

30–40 रू. किलो टमाटर व अन्य सब्जियां

बिजली का बिल, पानी का बिल, मकान का किराया, दवाईयों के खर्चे, बच्चों की पढ़ाई का खर्च, कपड़े, जूते, चप्पल का खर्च। ये महंगाई कांग्रेस के समय पर भी ऐसी ही थी। जनता मोदी जी के भाषणों को सुनती थी कि गरीबी दूर करेंगे। गरीबी दूर कैसे होगी? लाखों योजनायें कांग्रेस ने गरीबों के लिए चला रखी थी, जब गरीबी दूर नहीं हुई।

मोदी सरकार आयी सबका साथ सबका विकास तब भी वहीं योजनाएं तब भी गरीब की गरीबी दूर नहीं हुई।

किसी को समझ नहीं आता कि गरीबी दूर कैसे हो? एक गरीब मजदूर जो 100, 200, 500 रूपये तक रोज कमाता है, कुछ ऐसे भी हैं जो पूरे दिन चौक पर बैठकर खाली हाथ घर वापस चले जाते हैं। इन गरीबों की गरीबी दूर कैसे हो, उन्हें रोटी, सब्जी, चावल, चीनी, कपड़ा, जूता मिले तब ही उनकी गरीबी दूर होगी। उसके बच्चे को अच्छे स्कूल में दाखिला मिले, उसे भी जीने का अधिकार मिले, उसे भी सम्मान मिले, तभी सबका साथ, सबका विकास होगा।

100–500 रूपये रोज कमाने वाला व्यक्ति सब्जी खरीदे, आटा खरीदे, दाल खरीदे, चीनी खरीदे, चावल खरीदे, बच्चा बीमार है उसके लिए दवाई खरीदे, बच्चे पर कपड़े नहीं है उसके लिए कपड़े खरीदे क्या क्या खरीदे।

कभी सोचा है मोदी सरकार ने इन गरीबों के बारे में। ये ही वो जनता है जो सरकार बनाती है और सरकार गिराती है। जिसे पेट भरकर भोजन मिल रहा है उसे किसी से कोई मतलब नहीं है। वो वोट डालने भी नहीं जाता है। अगर वोट डालने जाता होता तब मोदी

सरकार की तीन सीटें न आती दिल्ली विधानसभा चुनाव में। ये जो गरीब जनता है उसे ओबामा से कोई मतलब नहीं है। उसे विदेश नीति का कोई पता नहीं है, उसे योजनाओं का पता नहीं है। ना वो मालूम करना चाहता है। क्योंकि ना वो अखबार पढ़ता है ना उसके पास रेडियो सुनने का समय होता है। वो सिर्फ इस खोज में रहता है कि आज इतने रूपये मिल जाये कि बच्चों को खाने के लिए रोटी मिल जाये। आज मैं इतना आटा, चावल ले जाऊ कि आज तो बच्चे पेट भर कर खाना खा लें।

जब तक इन गरीबों को भोजन नहीं मिलेगा वो वोट नहीं देगा। मोदी सरकार को चाहिए कि आलू, चावल, दाल, आटा, सब्जियां सस्ती हो। तब जाकर गरीब का पेट भरेगा, तब गरीब अपने बच्चों के साथ चैन की नींद सोयेगा। तब होगा सबका साथ, सबका विकास।

आज देश की अधिकतर जनता गरीब है। उसे पेट्रोल के दाम कम हो या ज्यादा हो उससे मतलब नहीं है, क्योंकि वह पैदल चलता है। उसके पास ना कार है ना मोटर साईकिल।

जिन लोगों के पास पैसा है, सुख सुविधाएं हैं वो वोटिंग के दिन पिकनिक पर चले जाते हैं।

सबका साथ मिला लेकिन सबके विकास के बारे में नहीं सोचा, गरीब के विकास के बारे में नहीं सोचा। इसीलिए गरीब ने मोदी सरकार के बारे में नहीं सोचा और AAP को दिल्ली में लेकर आ गये।

■ सबसे ज्यादा अनुभवी पढ़े लिखे लोग मोदी सरकार में हैं, लेकिन उन्होनें अपने अनुभवों का प्रयोग नहीं किया। उन्हें (मोदी सरकार के सांसद) ये भी नहीं पता कि सब्जियाँ क्या भाव हैं, चावल क्या भाव हैं?

मोदी सरकार के अनुभवी सांसादों और कांग्रेस के सांसदों में मुझे कोई फर्क नज़र नहीं आया।

मन की बात मोदी जी के साथ

एक बार पी. चिदम्बरम साहब ने बोला था कि जब भारत की जनता बिस्लेरी की बोतल खरीदकर पानी पीती है तब उसे महंगाई नहीं दिखाई देती, वहीं आज 1 रूपया बढ़ा है तो उसे महंगा लग रहा है।

चिदम्बरम साहब से कोई पूछे कि जिस गरीब को पूरे दिन में 100–500 रूपये मिलते हैं, भला वह बिस्लेरी कहां से पियेगा। उसे तो मालूम ही नहीं है कि बिस्लेरी क्या होती है?

इसी प्रकार मोदी सरकार के सांसदों को गरीब की गरीबी का पता होता है तो चावल, दाल, आटा, तेल, चीनी इतने महंगे ना बिक रहे होते। यह सब देखकर भारत की जनता अब नये विकल्प को खोजने में लगी है। मोदी सरकार से भी अब जनता का भरोसा उठ गया है जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली का है।

मोदी सरकार की कमियां–

1. प्रत्याशियों का अभाव।
2. बाहर से और दूसरी पार्टियों से आये लोगों को टिकट देना।
3. पहले से सी.एम. कैन्डिडेट की घोषणा न होना।
4. पार्टी में अर्न्तकलह (एक विचारधारा न होना)
5. जनता को अन्तिम समय तक पार्टी के नेता का मालूम ना होना।
6. बाबाओं, साध्वियों द्वारा की गई उल्टी सीधी बयानबाजी
7. चुनाव जीतने के बाद मोदी जी का अखबारों में और टी.वी. में दिखाई ना देना।
8. लव जेहाद, हिन्दु–मुस्लिम को लेकर की गई बयानबाजी
9. पाकिस्तान का बार–बार सीज़फायर का उल्लंघन करना, कश्मीर में आतंकवादी हमला बार–बार होना। पाकिस्तान और चीन को मुँहतोड़ जवाब ना देना।

क्षेत्र में विकास क्यों नहीं होता–

मन की बात मोदी जी के साथ

एक उदाहरण 1 – गाजियाबाद से जनरल वी.के. सिंह जी को घोषित किया गया, वो भी चन्द दिनों पहले। क्या पार्टी में कार्यकत्ताओं की कमी है, जो प्रत्याशी बाहर से लाने पड़ते हैं।

वी.के. सिंह जहां के रहने वाले हैं जहां वे पले बड़े हैं, वहां के लोगों को वहां की परेशानियों को व गलियों को अच्छी तरह जानते हैं। कहां सड़क है, कहां नहीं है, कहां स्कूल नही है, कहां अस्पताल नहीं है, कहां रोजगार की आवश्यकता है।

वी.के. सिंह को गाजियाबाद की गलियों का, टूटी सड़कों का, बन्द पड़े नालों का, टूटे डिवाईडर का तथा वहां की जनता की क्या मूलभूत परेशानियों हैं उनका मालूम नहीं है। गाजियाबाद में कितने गांव हैं, कितने ब्लाक हैं, कितने वार्ड हैं, किस गांव में स्कूल नहीं है, किस क्षेत्र में हॉस्पिटल नहीं हैं, उन्हें नहीं मालूम। जब कुछ मालूम ही नहीं है फिर सबका साथ सबका विकास कैसे होगा?

जिन गलियों में लोग वी.के. सिंह को लेकर गये थे और रोज वी.के.सिंह और उनके परिवार के लोग 10–20 लोगों से मिलते, उनकी परेशानियां पूछते थे। लेकिन आज विडम्बना ये है कि वी.के.सिंह को उन गलियों का रास्ता ही मालूम नहीं हैं तो जाये कैसे ?

चुनाव जीतने के बाद वी.के. सिंह कितने लोगों से मिले हैं और कितनी बार गाजियाबाद गये हैं। जो सड़क चुनाव से पहले टूटी हुई थी आज और भी सड़क में गड्ढे हो गये हैं। जो नालिया, मेन बाजार में बंद पड़ी थी आज भी बन्द हैं, दुकानदारों ने नालियों पर कब्जा कर लिया है, ये वो बाजार हैं जहां सोने के व्यापारियों की दुकानें हैं।

दु:ख की बात ये है कि सालों से गाजियाबाद में सांसद भा.ज.पा. के मेयर भा.ज.पा. के रहते आ रहे हैं लेकिन विकास शून्य है। कैसे जनता अगली बार वोट देगी?

<u>उदाहरण नं.–2</u>

हेमा मालिनी जी को मथुरा से चुनाव लड़वाया गया वहां वो मोदी के नाम पर चुनाव जीत भी गई। विडम्बना यह है कि हेमा मालिनी जी को मथुरा के कल्चर का नहीं पता, वहां

के संस्कारों का नहीं पता, मथुरा की गलियों का नहीं पता, वहां के लोगों की क्या समस्याएं हैं वे नहीं पता। जब कुछ पता ही नहीं है फिर सबका साथ और सबका विकास कैसे होगा ?

10 मिनट पैदल वो चल नहीं सकती, धूप में वो चल नहीं सकती हैं, कैसे गरीब के साथ चल पायेंगी, कैसे गरीबों का विश्वास जीत पायेंगी ?

जीतने के बाद वो कितनी बार मथुरा गईं हैं, कितने गरीबों से वो मिली हैं, कितने लोगों की परेशानियां दूर की हैं। आज भी वहीं गंदगी मथुरा की गलियों में हैं। कैसे होगा सबका साथ, सबका विकास ?

यहीं वजह है कि जब लोकल कार्यकर्त्ता को पूरजोर मेहनत करने पर भी सम्मान नहीं मिलता तब वो पीछे छूट जाता है, अब फिर वही दिल्ली वाली कहानी दोहराई जायेगी।

लोकसभा चुनाव के दौरान मोदी रथ गली गली, गांव गांव घूमा था। लोकसभा चुनाव के बाद वो रथ चुनाव के समय में कहीं नहीं दिखा, ना महाराष्ट्र में, ना झारखंड में, ना हरियाणा में, ना दिल्ली में। कहां गई वो **नमो टी स्टाल** जो जगह–जगह लोगों को चाय पिलाती थी, कहां गये वो कार्यकर्त्ता जो गली–गली जाकर लोगों को पार्टी का सदस्य बनाते थे।

अगर ये सब चलता रहता तब भारी बहुमत से झारखण्ड, हरियाणा और महाराष्ट्र में मोदी सरकार आती और दिल्ली में जो स्थिति आज है वो ना होती। क्योंकि **जो दिखता है वो ही बिकता है**। लोकसभा चुनाव में अखबारों में, टी.वी. में सिर्फ नमो टी.स्टाल, मोदी रथ और मोदी की दिन में चार –पांच रैलियां, उनमें उमड़ता जन सैलाब ही दिखाई देता था। जिसके फलस्वरूप इतना भारी बहुमत लेकर मोदी सरकार आयी।

यदि प्रत्येक कार्यकर्त्ता इतना काम इतनी मेहनत से करता तो आज दिल्ली का ये हाल (केवल तीन सीटें) ना होता।

मन की बात मोदी जी के साथ

गुजारिश – मेरी मोदी जी आपसे एक प्रार्थना है कि बिहार और यू.पी. में चुना होने हैं यदि वहां पर आपको बहुमत हासिल करना है तब अपना सी.एम. कैंडिडेट घोषित कर दीजिए, ताकि लोग उसे जान सके और पार्टी के लोग अपने–अपने क्षेत्र में लोगों से मिलने में जुट जायें।

भा.ज.पा. को छोड़कर सभी पार्टियों में सी.एम. कैन्डिडेट हैं। लेकिन भा.ज.पा. में ना होने के कारण जनता में अविश्वास होता है।

दिल्ली जैसी स्थिति बिहार और यू.पी. में ना हो इसीलिए अभी से अपने सिपाहियों को आदेश दें कि क्षेत्र में जायें और प्रत्येक वार्ड स्तर पर जाकर प्रत्येक गली, मोहल्ले में जाकर जन चेतना, जन जागरण करना आरंभ करें।

मोदी जी आप कुछ ऐसा करें जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग को **रोटी शांति से खाने को मिले।** एक्सपोर्ट पर थोड़ा कम ध्यान दें। अपने देश मे दाल, चावल, सब्जी, आटा, दूध इनके दाम कम अवश्य होने चाहिए तभी भारत का नागरिक मोदी सरकार के साथ चलेगा और अपने सांसदों को आदेश दें कि महीने में एकबार अपने चुनाव क्षेत्र में अवश्य जायें, वहां जनता दरबार लगायें, जनता की समस्या सुनें और उन्हें दूर करें अन्यथा मोदी सरकार का चल पाना बड़ा मुश्किल हो जायेगा। जो **सांसद जाति, धर्म, हिन्दु मुस्लिम को लेकर बयानबाजी करते हैं।** उन्हें पार्टी से बाहर करें।

मोदी जी से कुछ सवाल

मैं भारत का नागरिक होने के नाते और भा.ज.पा. का मैम्बर होने के नाते मोदी जी से कुछ सवाल पूछना चाहूंगा–

1– मोदी जी आपने अपने भाषणों में कहा कि मैं चायवाला हूँ।

यदि आप चाय वाले हैं, आपने चाय बेची थी, आपने गरीबी देखी थी, तब आपको इतने महीनों में भी एक चाय वाले की हैसियत से एक गरीब की हैसियत से गरीबों को गरीबी दूर करने का क्यों नहीं सोचा। उन्हें दो रोटी शांति से मिले इसके लिए क्यों नहीं सोचा? एक

गरीब जो सुबह निकलता है और धूप में सर्दी में पूरे दिन बैठकर जूतों पर पॉलिश करता है। उसकी गरीबी को ध्यान में रखकर दाल, चावल, चीनी, आटा सस्ता क्यों नहीं किया गया। एक मोची क्या कमाता है पूरे दिन में ? वो 35 रूपये किलो चीनी, 48 रूपये किलो दूध, 100 रूपये किलो दाल, 30–35 रूपये किलो आलू कैसे खरीद सकता है। कैसे वो बिजली का बिल दे सकता है, कैसे वह अपने बच्चों को पढ़ा सकता है। इसका जवाब है आपके पास। यदि आपने गरीब देखी है तब आपने चौक पर काम की तलाश में बैठे मजदूर को देखा होगा, क्या सोचा है आपने उसकी गरीबी को दूर करने का?

आपने कहा मेरी माँ ने घरों में जाकर बर्तन साफ किये हैं, वो माताएं, बहनें जो लोगों के घरों में झाडू पोंछा, बर्तन साफ करके अपने घर का गुजारा चलाती हैं।

इन गरीब माताओं बहनों के घर की गरीबी दूर करने का क्या सोचा है या कैसे इन्हें दो वक्त की रोटी खाने को मिले ?

आपने कहा मैं सेवक बनकर आपके बीच आ रहा हूँ, आपकी सेवा के लिए। अगर आपने गरीबी देखी है तो ये कैसी सेवा है जनता की जो जनता आज भी दुःखी है।

गरीब जनता आज भी 1 किलो दूध, आलू खरीदने के लिए कई बार सोचती है।

रेल मंत्री किन–किन क्षेत्रों में ध्यान दे–

आपके रेलमंत्री ने रेल का किराया बढ़ा पहले बजट में। आपको मालूम है एक गरीब चार से पांच घंटे प्लेटफार्म पर लाईन में खड़ा होता है तब कहीं वो रेल में पैर रखने की जगह ले पाता है। यदि किराया ही बढ़ाना था तो ए.सी., राजधानी, शताब्दी का किराया बढ़ाते। स्लीपर, जनरल क्लास व मासिक पास का किराया बढ़ाकर आपके रेल मंत्री ने गरीब की गरीबी का मजाक उड़ाया है। आपके रेल मंत्री ने गरीब की गरीबी को नहीं समझा। अपने रेल मंत्री से पूछना कि क्या वो दिल्ली के रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर गये हैं। ट्रेन लेट

होती है, रद्द होती है, जो जनता प्लेटफार्मों पर पूरी पूरी रात और दिन पड़ी रहती है, क्या हाल होता है उसका। प्लेटफार्मों पर कोई टॉयलेट की व्यवस्था नहीं है। कोई भोजन की व्यवस्था नहीं है। अब नई दिल्ली का ही ले लीजिये। प्लेटफार्म 1 व 16 पर टॉयलेट और भोजन की व्यवस्था है बाकी प्लेटफार्म पर जहां जनता घन्टों–घन्टों गुजारती है, कभी उनका हाल जानने की कोशिश करना, छोटे छोटे बच्चे, ढेर सारा सामान उनके साथ होता है, ऐसे में पुरूष तो रेल लाईन पर टॉयलेट करने चले जाते हैं लेकिन महिलाएं कहां जायें? इसका उत्तर मुझे आपसे चाहिए।

उदाहरण के लिए – नई दिल्ली से जो रेलगाड़ी चलती है, यदि वह 8 या 12 घंटे लेट है तब रेल प्रशासन के पास व्यवस्था होनी चाहिए कि ट्रेन समय से चले।

कभी आपके रेल मंत्री ने ई.एम.ओ. रेल गाड़ी से सफर किया है, क्या रेल मंत्री को मालूम है कि ई.एम.यू. में सफर करने वाले यात्रियों को क्या परेशानियां होती हैं? दिल्ली से अलीगढ़ और पलवल के लिए यात्री बैठते हैं। यदि उसे टॉयलेट जाना हो तो कहां जाये? जो लोग मधुमेह और प्रोस्टेस के रोग से पीड़ित होते हैं उनके लिए सफर करना कितना मुश्किल होता है। कभी रेल मंत्री के मन में यह नहीं आया कि ई.एम.यू. में टॉयलेट की सुविधा होनी चाहिए। मन में आये कैसे क्योंकि कभी ई.एम.यू. में सफर ही नहीं किया। जब मंत्री जी उन रास्तों पर ही चले नहीं, जिन रास्तों पर कांटे हैं, तब मंत्री जी को कांटे चुभने का दर्द कैसे मालूम होगा।

रेलवे स्टेशन के बाहर और अंदर गंदगी बहुत होती है, अगर गंदगी है तब देश का विकास कैसे होगा ?

किसी कारणवश ट्रैन रद्द होती है या 12 घन्टे 8 घन्टे देर से होती है तब स्टेशन से रेलगाड़ी समय पर चले इसके लिए रेलवे के पास उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

उदाहरण – नई दिल्ली से जो ट्रेन चलती है वह 8–12 घन्टे लेट है तब नई दिल्ली से समय पर ट्रेन चले। जब ट्रेन लेट होती है तब रेल प्रशासन रेल के इंतजार में बैठा रहता है जो

नहीं होना चाहिए। ऐसे में कितनों की परीक्षाएं छूटती हैं, बीमार इंसान की हालत गंभीर हो जाती है, इससे अच्छा हो कि जब पता है रेलगाड़ी लेट है तब समय पर रेलगाड़ी नई दिल्ली से या रेलवे स्टेशन से रवाना कर दी जाये।

जब समय पर चलेगा इण्डिया तभी तो आगे बढ़ेगा इण्डिया

कैसे पढ़ेंगी बेटियॉं–

अभी एक अभियान चला है 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' आपके जितने सांसद हैं क्या वो इस पर काम कर रहे हैं। हर शहर हर गांव में राजकीय बालिका विद्यालयों की स्थापना के बारे में आपके सांसदों पर इसका कोई प्लान है?

गरीब बालिकाओं को एक बेहतर शिक्षा मिले व चिकित्सा मिले, इसका कोई प्लान आपके सांसदों ने तैयार किया है। योजनाएं तो पिछली सरकार ने भी बहुत बनाई थी, लेकिन काम एक में भी नहीं हुआ। इसी कारण से आज प्रत्येक गरीब का सरकारों से विश्वास ही उठ गया है। लेकिन एक गरीब चाय वाले ने प्रधानमंत्री बनकर गरीबों के खोये हुए विश्वास को पुनः जीवित किया, यदि आपने वास्तव में गरीबी देखी है तब आपने व आपके सांसदों ने गरीब के लिए शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में क्या कार्य करना आरंभ किया है?

''गरीब आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा''

किसान आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा।

आप अपने सांसदों, एम.एल.ए., को आदेश दें कि वो अपने क्षेत्रों में जायें और जनता से संपर्क करें, उनकी परेशानियां सुनें और उन्हें दूर करें। प्रत्येक दिन की अपडेट वीडियो के साथ ऑनलाईन करें।

अगर मोदी सरकार को यू.पी. और बिहार में तथा पूरे देश में आना है तब प्रत्येक कार्यकर्त्ता को अभी से मेहनत में जुटना होगा। मोदी सरकार गुरूओं और साधुओं तथा बाबाओं

से दूर रहे, क्योंकि जनता के बीच इनकी छवि अच्छी नहीं है। प्रत्येक प्रदेश में पार्टी का एक मुखिया चुने और उसके कन्धों पर प्रदेश की पूरी जिम्मेदारी डाले, क्योंकि प्रदेश के प्रत्येक हिस्से में मोदी जी नहीं जा सकते हैं। पार्टी का मुखिया क्षेत्र के कार्यकत्ताओं के साथ जाये, छोटी–छोटी जनसभायें करें, जनता की परेशानियां सुनें। यदि ऐसा नहीं किया गया तब मोदी जी का विजय रथ दिल्ली की तरह रूक जायेगा।

अगर पार्टी कार्यकर्त्ताओं ने दिल्ली में काम किया होता, जनसभायें की होती, जनता की परेशानियां सुनी होती तब दिल्ली में भी मोदी सरकार होती।

भ्रष्टाचार पर लगाम कैसे लगे– (सुझाव)

सबसे बड़ा सवाल है कि भ्रष्टाचार समाप्त कैसे हो, घोटालों को कैसे रोका जाये।

सुझाव – भ्रष्टाचार हो या घोटाला

1. जिस किसी सरकार के कार्यकाल में घोटाला होता है उस सरकार के मुखिया को सर्वप्रथम गिरफ्तार किया जाये, यदि केन्द्र सरकार है तब प्रधानमंत्री को और यदि प्रदेश सरकार है तब मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया जाये। जितनी रकम का घोटाला प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर करने के माध्यम से हुआ है वो घोटाले की रकम ब्याज के साथ वसूल कर जनता के बीच लायी जाये और प्रधानमंत्री हो या मुख्यमंत्री दोनों को आजीवन कारावास हो।

2. जिस मंत्री के मंत्रालय में घोटाला होता है उस मंत्री से घोटाले की रकम ब्याज के साथ वूसल की जाये, और जनता के बीच लायी जाये। साथ ही मंत्री को आजीवन कारावास हो।

3. जो अधिकारी घोटाले करता है उससे भी घोटाले की रकम ब्याज के साथ वसूल की जाये और आजीवन कारावास हो।

4. किसी मंत्री, नेता, अधिकारी, कर्मचारी के द्वारा घोटाला या भ्रष्टाचार करने पर कोई मुकदमा नहीं होना चाहिए, सीधा ब्याज के साथ वसूली और आजीवन कारावास।

क्योंकि कोर्ट में केस जाना मतलब, मंत्री, नेता, अधिकारी की आजीवन सुरक्षा होना है। मंत्री नेता, अधिकारी, कर्मचारी मर जायेगा, लेकिन कोर्ट केस समाप्त नहीं होगा।

5. ग्राम प्रधान, ब्लाक अधिकारी या कोई कर्मचारी घोटाले या भ्रष्टाचार करता है तब उससे भी घोटाले की रकम ब्याज के साथ वसूल की जाये और आजीवन कारावास होना चाहिए।

6. पिछली सरकारों ने जितने घोटाले किये हैं यदि वो धन जनता के बीच आ जाये तब देश में कोई गरीब नहीं रहेगा।

भ्रष्टाचार व घोटाले के प्रकार –

आय से अधिक संपत्ति (जो एक घोटाला है)– जिस किसी नेता, मंत्री, अधिकारी, कर्मचारी पर आय से अधिक संपत्ति होती है तब उसे ब्याज के साथ वसूल कर जनता के बीच लाया जाये। सभी को मालूम है कि आज प्रत्येक नेता, मंत्री, अधिकारी, कर्मचारी के पास आय से अधिक संपत्ति है, लेकिन कोई वसूली नहीं, क्यों ?

सभी जाँच ऐजेंसियों को भी मालूम है कि किस पर कितना धन है, लेकिन कोई एक्शन नहीं, क्यों?

आज सभी राज नेताओं, मंत्रियों पर आय से अधिक संपत्ति है लेकिन सत्ता पक्ष में बैठी सरकार को कोई मतलब नहीं है। क्योंकि जो सत्ता में है उसे भी वहीं करना है, फिर वसूली करके क्या करना? लेकिन जब पार्टी सत्ता से बाहर होती है या विपक्ष में होती है तब उसे सब घोटाले और भ्रष्टाचार सत्ताधारी पार्टी के याद रहते हैं। लेकिन सत्ता हाथ में आते ही, पार्टी सब कुछ भूलकर घोटालों और भष्ट्राचार में व्यस्त हो जाते हैं। यहीं कारण है कि आज देश का प्रत्येक गरीब और अधिक गरीब होता जा रहा है। वह एक वक्त की रोटी के लिए दर–दर की ठोकरें खा रहा है और राजनेता, अधिकारी और अधिक धनवान होते जा रहे हैं।

मन की बात मोदी जी के साथ

व्यापारियों, राजनेताओं, अपराधियों, अधिकारियों तथा सरकारी कर्मचारियों के द्वारा गरीब जनता का लूटा हुआ धन, मन्दिरों में, बाबाओं के आश्रमों में चढ़ावे के रूप में चढ़ता दिखेगा।

राजनेता, अधिकारी और सरकारी कर्मचारी घोटाले और भ्रष्टाचार के माध्यम से तथा व्यापारी टैक्स चोरी के माध्यम से जो धन एकत्रित करता है, उस धन का बहुत छोटा सा हिस्सा वह मन्दिरों, तीर्थ तथा गुरू आश्रमों में चढ़ाता है जो करोड़ों में तथा कईं किलो सोने तथा चांदी के रूप में होता है।

एक व्यापारी, अधिकारी या सरकारी कर्मचारी करोड़ों रूपये तथा कईं किलो सोना, चांदी, हीरे, चढ़ाकर जाता है जो एक बहुत छोटा हिस्सा होता है लूट का, सोचो कितना धन उस व्यापारी या अधिकारी या राजनेता के पास होगा?

आजादी के बाद से आज तक किसी भी सरकार ने इस चढ़ावे के धन की जांच नहीं करायी, ना ही किसी जांच ऐजेंसी ने जांच की है कि कहां से ये धन चढ़ावे के रूप में आ रहा है और इस चढ़ावे का सदुपयोग कैसे और कहां हो रहा है? ये हमारे देश का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है।

भगवान को, गुरू को, सन्त को तो चढ़ावा चाहिए ही नहीं, फिर यह सब क्यों? कहां से इतना धन आता है और कहां जाता है, कुछ मालूम नहीं। एक तरफ देश में शिक्षा प्राप्ति के साधन नहीं है। चिकित्सा के साधन नहीं हैं रोजगार के साधन नहीं है, पीने के लिए पानी तक नहीं है। खाने के लिए रोटी तक नहीं है, तन ढकने के लिए कपड़ा तक नहीं है।

एक तरफ इतना धन, सोना चांदी चढ़ावे के रूप में चढ़ रहा है, जो घोटाले और भ्रष्टाचार के रूप में इकट्ठा किया जा रहा है, ये कैसी विडम्बना है। कैसे होगा सबका साथ, कैसे होगा सबका विकास, कैसे बढ़ेगा इण्डिया?

मोदी जी मेरा आपसे निवेदन है कि घोटाले और भ्रष्टाचार के माध्यम से जो धन लूटा गया है और जो काला धन मंदिरों में चढ़ावे के रूप में चढ़ता है, और जो धन मंदिरों और आश्रमों की तिजोरी में बन्द है, यदि यह धन भारत की जनता के बीच आप ले आयें तब भारत

Vikas Kaushik - +91-9818583509 I Mail : vikasastro@gmail.com

का प्रत्येक नागरिक धनी होगा, प्रत्येक नागरिक पढ़ा लिखा होगा, प्रत्येक नागरिक सम्मानित होगा।

भारत देश विश्व का सबसे धनी देश होगा। भारत के पास इतना धन होगा कि वह विश्व बैंक को भी धन उधार दे सकेगा। पूरे विश्व में डॉलर में लेन–देन होता हैं तब पूरी दुनिया डॉलर को भूलकर रूपये को याद रखेगी। रूपये में लेनदेन होगा। भारत में ना कोई बेरोजगार होगा, ना हत्याऐं होंगी, ना बलात्कार होंगे, ना चोरी डकैती होगी। तब भारत विश्व गुरू के रूप में जाना जायेगा।

क्या मोदी जी आप यह सब कर पायेंगे? मैं सभी देशवासियों से प्रार्थना करना चाहूंगा कि भारत को विश्व गुरू बनने में भारत का प्रत्येक नागरिक एक दूसरे की मदद करें, आज मोदी सरकार है, उसकी मदद करे। कल जो भी सरकार हो उसकी भी मदद करें तभी होगा **सबका साथ और सबका विकास, तभी बढ़ेगा इण्डिया, तभी बच पायेंगी बेटियां तभी पढ़ पायेंगी बेटियां।**

देश को समृद्ध कैसे बनायें –

एक और तरीका है देश को समृद्ध और विश्व गुरू बनाने का सभी प्रदेश सरकारें और केन्द्र सरकार मुफ्त में किसी को कुछ न दें, मुफ्त में चीज प्राप्त करने से काम करने की शक्ति समाप्त हो जाती है। कुछ नया, कुछ बड़ा करने की इच्छा समाप्त हो जाती है।

सरकारें सिर्फ शिक्षा मुफ्त में दें और प्रत्येक के लिए पढ़ना अनिवार्य करें। जब देश का प्रत्येक नागरिक पढ़ा लिखा होगा तब वह कुछ क्या कुछ बड़ा कुछ अनोखा अवश्य करेगा, तब होगा सबका साथ और सबका विकास। **इसी प्रकार मन्त्रियों को कैन्टीन में सस्ता भोजन मुफ्त के बराबर उपलब्ध ना करायें।**

इसकी वजह से मन्त्रियों मे काम करने की शक्ति समाप्त होती जा रही हैं। उसे गरीब की गरीब दिखाई नहीं दे रही है, उसे कोई गरीब ही नहीं दिखता है।

मन की बात मोदी जी के साथ

आज एक सांसद 29 रूपये में एक भोजन की थाली प्राप्त कर लेता है जबकि भारत की गरीब जनता को 29 रूपये में ना एक किलो दूध मिलेगा जो कि 48 रूपये किलो है, ना 1 किलो चावल मिलेगा जो कि 30 रूपये किलो है सबसे सस्ता। ना 1 किलो आटा मिलेगा जो 30 रूपये किलो है, ना 1 किलो दाल मिलेगी जो 100 रूपये किलो है। आज 32 रूपये कमाने वाला व्यक्ति मंत्रियों की नज़र में गरीब नहीं है, क्योंकि मंत्री जी 29 रूपये में अपना पेट जो भर लेते हैं। **यह भी भारत का दुर्भाग्य है**।

जब तक मंत्रियों को मुफ्त के भाव में भोजन, बिजली, पानी व सारी सुविधायें मिलती रहेंगी, फिर वह क्यों सोचेंगे देश की गरीब जनता के बारे में, क्योंकि मंत्रीजी का पेट भरा हुआ है।

एक मजदूर पेट की भूख शांत करने के लिए भरी धूप में सड़क पर गड्ढ़े खोदता है, एक मजदूर अपने बच्चे को ईंटों पर लिटाकर ईंट धोती है तब कहीं वो कुछ रूपये जुटा पाती है, उसमें भी वह पेट भर भोजन नहीं कर पाती। इसी प्रकार मंत्रियों को मुफ्त में सुविधायें मिलना बन्द हो, और वो स्वयं बाजार से सामान खरीदने जायें तब उन्हें मालूम होगा कि 29 रूपये में ना 1 किलो दूध आयोगा न आटा, ना चावल ना दाल।

तब मंत्रियों को मालूम होगा कि वो देश की जनता के साथ कितना बड़ा अन्याय कर रहे हैं। एक तरफ देश की जनता भूख से लड़ रही है और दूसरी तरफ मंत्री जी गरबी के हक का भोजन मुफ्त में गृहण कर रहें हैं। यह कैसी अव्यवस्था है। कैसे होगा सबका विकास? कैसे बढ़ेगा इंडिया? कैसे पढ़ेंगी बेटियां, कैसे बच पायेंगी बेटियां?

मेरा मोदी जी से निवेदन है कि यदि देश से वे सच में गरीबी दूर करना चाहते हैं तब ये अव्यवस्था को समाप्त करें। **मंत्री हो या देश का गरीब नागरिक सभी के लिए समान व्यवस्था हो, सभी के लिए नियम कानून एक हो, किसी को भी मुफ्त में कुछ ना मिले।**

Vikas Kaushik - +91-9818583509 I Mail : vikasastro@gmail.com

जब व्यवस्थायें सभी के लिए समान होंगी, जब सभी के लिए नियम कानून एक होंगे, जब **सभी के लिए पेट भरने के साधन सामान होंगे तभी होगा सबका विकास, तभी बढ़ेगा इण्डिया।**

प्रत्येक देशवासी से विनम्र निवेदन– प्रत्येक नागरिक अपनी शक्ति को पहचानें, वो नींद से जागें क्योंकि सरकारें आती रहेंगी और जाती रहेंगी। मंदिरों में गुरूओं के आश्रमों में चढ़ावे यूं ही चढ़ाते रहेंगे। घोटाले यूं ही होते रहेंगे। मंत्रीजी यूं ही सस्ता भोजन ग्रहण कर मुफ्त में सुविधाएं प्राप्त कर देश की जनता की गरीबी का यूं ही मजाक उडाते रहेंगे। भगवान को धन नहीं चाहिए, सच्चे गुरू को धन नहीं चाहिए। राजनेता को वेतन मिलता है, उसे घोटाले करने नहीं चाहिए, फिर ये अव्यवस्था कयों?

देश के प्रत्येक नागरिक को मिलकर सोच समझकर वो रास्ते खोजने होंगे जिनपर चलकर इन सभी अव्यवस्थाओं पर अंकुश लगाया जा सके। जब देश का राजनेता, अधिकारी व प्रत्येक नागरिक ईमानदार होगा, अपने आप से।

तब देश में कोई गरीब नहीं रहेगा, कोई भूख नहीं सोयेगा, कोई बेरोजगार नहीं रहेगा। कोई अनपढ़ नहीं रहेगा, तब होगा सबका विकास, सबके पास समान व्यवस्थायें होंगी जब भारत का प्रत्येक नागरिक सम्मानित होगा, और भारत एक विश्व गुरू के रूप में जाना जायेगा अर्थात् भारत विश्व का सबसे धनी देश होगा।

भ्रष्टाचार और घोटालों का सबसे बड़ा कारण –

राजनेता के लिए किसी प्रकार की शैक्षिक योग्यता का ना होना।

आज एक चपरासी से लेकर आईएएस तक शैक्षिक योग्यता निर्धारित है। उसके लिए प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार निश्चित है। लेकिन भारत देश का दुर्भाग्य देखिये जो मंत्रालयों का मुखिया होता है। जो चपरासी से लेकर आईएएस तक के ऊपर जाकर बैठता है और

मंत्रालय संभालता है, उसके लिए कोई शैक्षिक योग्यता नहीं, उसके लिए कोई प्रवेश परीक्षा नहीं, उसके लिए कोई तजुर्बे की आवश्यकता नहीं। ये देश का दुर्भाग्य नहीं तो क्या है।

यही सबसे बड़ा कारण है कि आज भारत देश की गरीब जनता एक वक्त की रोटी के लिए दर–दर की ठोकरें खाती फिरती हैं।

सरकारी या प्राईवेट कंपनी में यदि कोई चपरासी या सेल्समैन की नौकरी के लिए आवेदन देता है तब शैक्षिक योग्यता के साथ वर्क एक्सपीरिएंस भी मांगा जाता है। तब कहीं जाकर उसे 3–5 हजार की नौकरी मिल पाती है। लेकिन हमारे देश के राजनेता के लिए कोई शैक्षिक योग्यता नहीं, कोई वर्क एक्सपीरिएंस नहीं क्यों?

एक सिपाही जो देश के अन्दर और देश की सीमा पर देश की व देशवासियों की सुरक्षा करता है, उसके लिए अनेक प्रकार की परीक्षायें जैसे– शारीरिक परीक्षा, लिखित परीक्षा उसके बाद साक्षात्कार। लेकिन देश के मंत्री के लिए कोई योग्यता नहीं क्यों? ये देश का दुर्भाग्य नहीं तो क्या है।

मेरा मोदी जी से निवेदन है कि मंत्रियों के लिए शैक्षिक योग्यता निर्धारित कर देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनायें।

मंत्रियों के लिए शैक्षिक योग्यता –

1. मंत्री केन्द्र/राज्य में – पोस्ट ग्रेजुएट/पीएचडी/इंजीनियर/डॉक्टर/एम.बी.ए.

   उसी विषय में जिस विभाग का मंत्रालय है। इन सबकी लिखित परीक्षा होनी चाहिए।

2. ग्राम प्रधान, पंचायत प्रमुख, ब्लाक प्रमुख, वार्ड मेम्बर, मेयर ये सभी स्नातक होने चाहिए।

   इन सबकी लिखित परीक्षा होनी चाहिए।

मन की बात मोदी जी के साथ

आईएस के ऊपर वहीं मंत्री काम कर सकता है जो आईएएस के बराबर पढ़ा लिखा हो या उससे ज्यादा। मंत्रालय वहीं मंत्री संभाल सकता है, जिसने मंत्रालय से संबंधित विषयों में पी.जी./पी.एच.डी/ इंजीनियरिंग की हो।

जिस प्रकार एक साईकिल ठीक करने वाला हवाई जहाज ठीक नहीं कर सकता।

एक सेल्समैन स्कूल का प्रधानाचार्य नहीं बन सकता। इसी प्रकार एक अनपढ़ या कम पढ़ा लिखा व्यक्ति मंत्रालय नहीं संभाल सकता। ठीक इसी प्रकार कम पढ़ा लिखा व्यक्ति मंत्री पद की गरिमा को नहीं समझ सकता, वह अपने मंत्रालय के प्रति ईमानदार नहीं हो सकता। वह अपने मंत्रालय और देश के प्रति समर्पित नहीं हो सकता, यदि देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है तब देश के नेता को पढ़ालिखा होना होगा, ईमानदार होना होगा तथा देश की आन–बान–शान के प्रति समर्पित होना चाहिए।

जय हिन्द, जय भारत

भारत का नागरिक

विकास कौशिक

vikasastro@gmail.com

मो० 9818583509